भारत सरकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1656
जिसका उत्तर 30 जुलाई, 2025 को दिया जाना है।
8 श्रावण, 1947 (शक)

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन

1656. श्री छत्रपाल सिंह गंगवारः
श्री रवीन्द्र शुक्ला उर्फ रवि किशनः

क्या इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईईएलआईटी) द्वारा हाल ही में हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों (एमओयू) के उद्देश्य क्या हैं;

(ख) इन समझौता ज्ञापनों के अंतर्गत सहयोग के उन क्षेत्रों का ब्यौरा क्या है, जिन पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित किया गया है; और

(ग) क्या ये सहयोग सेमीकंडक्टर, एयरोस्पेस, सौर ऊर्जा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों पर मुख्य रूप से ध्यान देते हैं?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) से (ग): राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त निकाय है। यह इलेक्ट्रॉनिकी, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और उभरती प्रौद्योगिकियों में शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। इसे आईटी और इलेक्ट्रॉनिकी में अनौपचारिक क्षेत्र के पाठ्यक्रमों को संचालित करने वाले संस्थानों और संगठनों को मान्यता देने के लिए एक राष्ट्रीय परीक्षा निकाय के रूप में भी मान्यता प्राप्त है। अपने 56 केन्द्रों तथा 700 से अधिक प्रत्यायित प्रशिक्षण भागीदारों के देशव्यापी नेटवर्क तथा 9000 से अधिक सुविधा केन्द्रों के साथ, नाइलिट डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए वर्तमान तथा भविष्योन्मुखी कुशल कार्यबल के विकास पर केन्द्रित है। नाइलिट ने प्रशिक्षण, विषय-वस्तु और प्रौद्योगिकी भागीदारों के रूप में सरकारी मानक एवं विनियामक निकायों, शिक्षा जगत, अनुसंधान संगठनों तथा उद्योगों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इन समझौता ज्ञापनों की परिकल्पना कौशल अंतराल की पहचान करने, इलेक्ट्रॉनिकी, आईटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), सेमीकंडक्टर, ड्रोन प्रौद्योगिकी, सौर ऊर्जा, साइबर सुरक्षा आदि सहित उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में वैश्विक मान्यता के साथ कुशल कार्यबल का निर्माण के लिए की गई है।

******